Impact Factor (SJIF): 6.092 E-ISSN: 2583-1615

International Journal of Research in Academic World

Received: 21/October/2024 IJRAW: 2024; 3(11):106-107 Accepted: 29/November/2024

"महिला सशक्तिकरण": एक महिला कि उडान कि वर्तमान स्थिति

*[1]श्रीमती मंगली बंजारा

*[1]सहायक प्राध्यापक, शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय, नवागढ़, बेमेतरा, छत्तीसगढ, भारत।

सारांश

महिला सशक्तिकरण से तात्पर्य एक ऐसी सामाजिक प्रक्रिया एवं परिवर्तन से है जिसमें महिलाओं का विकास हो महिलाओं के लिए संभावनाओं के द्वार खुले, पहले महिलाओं के पास किसी भी प्रकार की स्वतंत्रता नहीं होने के कारण उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, क्योकि हमारा समाज पुरूष प्रधान रहा है हर कदम पर उन्हें पुरूष के सहारे की आवश्यकता पडती थी। वर्तमान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है महिलाए किसी भी चुनौती को स्विकार करने में सक्षम हुई है, जिसके कारण महिलाओं के आत्मविश्वास में बढोतरी हुई है। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा तथा अनेक सामाजिक संगठनो के द्वारा भी महिला उत्थान के क्षेत्र मे अनेक कार्य किए गये है।

मुख्य भाब्दः सशक्तिकरण, स्वालम्बी, आर्थिक स्वतंत्रता, उत्थान, जागरूकता, बहुमुल्य, कायाकल्प, तकनिकी भूमीका, परिवर्तन, भागीदारी, अत्याचार आदि।

प्रस्तावना

पूर्व में महिलाओ की स्थिति एवं विकास के क्षेत्र में किए गए कार्य

सरकार ने वर्ष 2001 को महिला सशक्तिकरण का वर्ष घोषित किया है जिसका उद्देश्य महिलाओ के अधिकार एवं उनके जागरूकता के क्षेत्र में तेजी लाना है पूर्व में महिलाओं कि स्थिति अच्छी नहीं थी क्योंकि उन्हें अपने घर के मुख्य पुरूष पर आश्रित रहना पडता था। किसी भी कार्य को करने के लिए स्वतंत्रता एवं साधन के अभाव में पुरूषों की मदद लेनी पडती थी परन्तु वर्तमान में सरकारी प्रयास एवं सहायता से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में भागीदारी निभा रही है।

महिलाओ की वर्तमान स्थिति एवं उनके द्वारा दिए गए योगदान

वर्तमान में महिलाओं कृषि कार्य के अलावा प्रत्येक क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महिलाओं की वर्तमान स्थिति को देखे तो उनके लिए वर्ष 2001 में राष्ट्रीय महिला उत्थान निति बनाई गई है जिसके माध्यम से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा मानव अधिकारों की रक्षा की जा सके एवं इनको पुरूषों के सामान हिस्सेदारी दीया जा सके। राष्ट्र के विकास मे महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, महिलाओं ने अनेक क्षेत्रों में जैसेः– विधि, अकादमी, साहित्य, संगीत, नृत्य, मिडिया, खेल, उद्योग, एवं आईटी आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

- महिंलाए खेती बाडी से लेकर वायुयान उडाने एवं अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है।
- वर्तमान में महिंलाए शीर्ष पदों पर भी काम कर रही है।
- महिंलाए संस्कार एवं संस्कृति की वास्तविक संरक्षक बनकर खडी है।
- महिंलाए रिक्शा चालान से लेकर जैसे, हर क्षेत्र में काम कर रही है।
- महिंलाए रक्षा एवं सुरक्षा में भी अपना योगदान निभा रही है।

राष्ट्रीय जनसेवा में मदर टेरेसा ने पूरे देश में, दुखी, पीडीतो की सेवा कर अपना योगदान दिया है, माता

*Corresponding Author: श्रीमती मंगली बंजारा

सावित्री बाई फुले द्वारा बालिका शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुमुल्य योगदान दिया गया है, पूर्व से लेकर वर्तमान तक महिलाए अपना योगदान देकर राष्ट्र हित में काम कर रही है।

सरकार के प्रयास

- विज्ञान एवं इंजिनियरिंग के क्षेत्र में महिला शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा सर्व–पावर (Serve Power) नामक एक योजना शुरूवात की गई है।
- केन्द्र सरकार द्वारा कार्य स्थल पर गर्भवती महिलाओं के रक्षा के लिए मातृत्व लाभ हेतु मातृत्व अवकाश अधिनियम 2017 के माध्यम से 12 सप्ताह से बढाकर 26 सप्ताह कर दिया गया।
- सरकार द्वारा श्रम कानूनों में बदलाव कर कार्यकारी महिलाओं को कार्य अवधि को घटाकर कम कर दिया गया है।
- संसद द्वारा महिलाओं के प्रति होने वालो अत्याचार एवं बढते हिंसा को देखते हुए कानून सुधार कर अधिक कठोर बनाया गया है।

महिलाओं के विकास एवं उनके उत्थान के लिए सुझाव

महिलाओं को समाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में आगे लाने के लिए, उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वालम्बी बनाना होगा महिलाओं में अधिक अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियों को दुर कर उन्हें अधिक से अधिक शिक्षित और संस्कारित होना आवश्यक है। समाज में मातृत्व के साथ ही साथ उनका राजनितिक कार्यकलाप का समन्वय होना भी आवश्यक है। महिलाएं अभी पुरी तरह से ससक्त नहीं हुई है। महिलाओ के प्रति अत्याचार एवं हिंसक घटनाओं के कारण महिलाएं विकास के अनेक क्षेत्रों से दुर है।

महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए उनके सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रों को और अधिक मजबुत करना होगा। कानूनी अधिकार एवं कानुनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए कठोर कानून व्यवस्था बनाना होगा। उच्च शिक्षा एवं तकनिकी प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए सहयोग प्रदान करना होगा ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा तक पहुंच को मजबुत करना होगा तथा असंगठित क्षेत्रो में कार्य कर रही महिलाओं के लिए सुरक्षा के खास उनके हितो पर विशेष ध्यान देना होगा।

निष्कर्ष

महिलाए समाज का अनिवार्य अंग है, पुरूष के साथ कंधे मिलाकर प्रगति के हर रास्ते में चल रही है, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभा रही है, केन्द्रिय तथा स्थानिय शासन एवं प्रशासन में भी अपनी भागीदारी निभा रही है। पूर्व की अपेक्षा वर्तमान में महिलाए हर क्षेत्र में अपनी ये महिलाएं हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है तथा अपने सामाजिक एवं आर्थिक दशाओं में सुधार कर रही है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. महिला सशक्तिकरण दशा और दिशा–डॉ.योगेन्द्र शर्मा
2. भारत में महिला सशक्तिकरण–डॉ.रेनू तिवारी
3. महिला सशक्तिकरण–डॉ.उषा रानी
4. इन्टरनेट